Today's Poem – 03.06.2014

सबसे मूल सेवा है बाप की याद में रहना

दूसरों को याद दिलाना

चोरी छिपाने की आदत बुरी

करती अवज्ञा बड़ी

बाप को सच सच सुनाना

ब्रह्मा बाप समान ट्रस्टी होकर रहना

सबको बाप का परिचय देना

अपना समय वेस्ट नहीं करना

सेन्सीबुल बन 5 विकारों रूपी भूतों पर विजय प्राप्त करनी

दान में दी हुई चीज़ वापस नहीं लेनी है

बाप का परिचय देने की सेवा का चांस लेना

बीती को बिंदी लगाना

हिम्मते बच्चे मददे बाप

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!

http://bkdrluhar.com